

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D-0707

PAPER – III

Time : 2½ hours]

ANTHROPOLOGY

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

ANTHROPOLOGY

मानव विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following paragraph carefully and answer all the questions given below.

Answers should not exceed 30 words in each case.

Throughout human history, people have needed to know who they are, where they came from, and why they behave as they do. Traditionally, myths and legends provided the answers to these questions. Anthropology, as it has emerged over the last 200 years, offers another approach to answering the questions people ask about themselves.

Anthropology is the study of humankind. In employing a scientific approach, anthropologists seek to produce a reasonably objective understanding of both human diversity and those things all humans have in common. The two major branches of anthropology are physical and cultural anthropology. Physical anthropology focuses on humans as biological organisms. Particular emphasis is given by physical anthropologists to tracing the evolutionary development of the human animal and studying biological variation within the species today. Cultural anthropologists study humans in terms of their cultures, the often unconscious standards by which societies operate.

Three areas of cultural anthropology are archaeology, anthropological linguistics, and ethnology. Archaeologists study material objects, usually from past cultures, to

explain human behaviour. Linguists, who study human languages, may deal with the description of a language, with the history of languages, or how they are used in particular social settings. Ethnologists concentrate on cultures of the present or recent past; in doing comparative studies of culture, they focus on a particular aspect of it, such as religious or economic practices, or as ethnographers, they may go into the field to observe, describe, and explain human behaviour as it can be seen, experienced, and discussed with persons whose culture is to be understood.

Anthropology is unique among the social and natural sciences in that it is concerned with formulating explanations of human diversity based on a study of all aspects of human biology and behaviour in all known societies, past and present, rather than in recent European and North American societies alone. Thus, anthropologists have devoted much attention to the study of ancient and contemporary non-Western peoples.

Anthropologists are concerned with the objective and systematic study of humankind. The anthropologist employs the methods of other scientists by developing hypotheses, or assumed explanations, using other data to test these hypotheses, and ultimately arriving at theories - explanations supported by reliable bodies of data. The data used by the cultural anthropologist may be from a single society or from numerous societies, which are then compared.

In anthropology, the humanities and sciences come together into a genuinely human science. Anthropology's link with the humanities can be seen in its concern with people's beliefs, values, languages, arts, and literature - oral as well as written - but above all in its attempt to convey the experience of living as other people do. As both science and humanity, anthropology has essential skills to offer the modern world, where understanding the other people with whom we share the globe has become a matter of survival.

नीचे लिखे अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िये और पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए। उत्तर 30 शब्दों से अधिक में नहीं होना चाहिए।

समस्त मानव इतिहास में लोगों ने जानना चाहा है कि वे कौन हैं, वे कहाँ से आये हैं और जो उनका व्यवहार है वह वैसा क्यों है? पारंपारिक रूप से मिथक व दंत कथायें इन प्रश्नों का उत्तर देती हैं। नृविज्ञान जैसा पिछले 200 वर्षों में विकसित हुआ है वह लोगों के इन प्रश्नों का उत्तर दूसरे तरीके से देता है।

नृविज्ञान मानवजातिक अध्ययन है। नृविज्ञानी वैज्ञानिक विधि का प्रयोग करते हुए, मानव विविधता एवं मनुष्यों के बीच समानता की वस्तुनिष्ठ एवं तर्कसंगत समझ प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं। नृविज्ञान की दो शाखायें हैं – भौतिक नृविज्ञान एवं सांस्कृतिक नृविज्ञान। भौतिक नृविज्ञान मनुष्य के जैविक अवयवी रूप को केन्द्रक बनाता है। भौतिक नृविज्ञानी मानव प्राणी के विकास क्रम तथा आज की जातियों (स्पीसीज) के विकास का सूत्र खोजने पर तथा जाति के भीतर जैविक विविधता खोजने पर बल देता है। सांस्कृतिक नृविज्ञानी संस्कृति के संदर्भ में मनुष्यों का अध्ययन करता है, जिन अचेतन मानकों से समाज परिचालित होता है।

सांस्कृतिक नृविज्ञान के तीन क्षेत्र हैं, नृविज्ञान, नृवैज्ञानिक भाषा विज्ञान, और नृजाति विज्ञान (Ethnology), नृविज्ञानी आमतौर पर भौतिक पदार्थों का अध्ययन करते हैं, आमतौर पर मानव स्वभाव का पुरानी संस्कृतियों से और इससे मानव व्यवहार की व्याख्या करते हैं। भाषावैज्ञानिक मानव भाषाओं का अध्ययन उनका इतिहास एवं सामाजिक परिवेश में उनका व्यवहार किस प्रकार होता है – इसका अध्ययन करते हैं। नृजातिविज्ञानी वर्तमान तथा आसन्नभूत संस्कृतियों का अध्ययन करते हैं तथा संस्कृतियों के अध्ययन में वे विशेष पक्ष में ध्यान केन्द्रित करते हैं जैसे धार्मिक या आर्थिक रीतियाँ या नृजाति विज्ञानी के रूप में वे क्षेत्र में जा सकते हैं। अध्ययन करके पर्यवेक्षण के आधार पर मनुष्य के व्यवहार का वर्णन कर सकते हैं। जैसा उन्होंने अनुभव किया है लोगों से चर्चा की है और जिनकी संस्कृति को उन्होंने समझा है।

नृवंशविज्ञान सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों में अनोखा है इस अर्थ में कि उसका मानव विज्ञान तथा मनुष्य स्वभाव के समस्त ज्ञात व अज्ञात पहलुओं पर आधारित भूत व वर्तमान समाजों की बजाय आज के यूरोप और उत्तरी अमेरिका के मानव की विविधता की व्याख्या व निरूपण से सरोकार है। इस प्रकार नृवंशविज्ञानियों

ने समकालीन और गैर-पश्चिमी समाजों के लोगों के अध्ययन पर अधिक ध्यान दिया है।

नृविज्ञानियों का सरोकार मानवजाति का वस्तुनिष्ठ व व्यवस्थित अध्ययन रहा है। एक नृविज्ञानी प्राक्कल्पना को, अनुमानित व्याख्याओं को विकसित करके, दूसरे विज्ञानों से विधियाँ ग्रहण करता है। विश्वसनीय आंकड़ों पर आधारित अंततः सिद्धांत निरूपण करता है। नृविज्ञानी संस्कृति नृविज्ञान के आंकड़े एक समाज से ले सकता है या कई समाजों से ले सकता है और फिर उनकी तुलना की जा सकती है। नृविज्ञान में (भौतिक) विज्ञान और सामाजिक विज्ञान निकट आकर वास्तविक मानव विज्ञान की सृष्टि करते हैं। नृविज्ञान का मानविकी से संबंध उसके लोगों के विश्वासों, मूल्यों, भाषाओं, कलाओं और साहित्य (मौखिक और लिखित) से सरोकार है और इसके अतिरिक्त उसके अन्य लोगों की भाँति जीवन जीने और अनुभव को व्यक्त करने से है। नृविज्ञान में विज्ञान और मानविकी के पास आधुनिक विश्व को देने के अनिवार्य कौशल है जहाँ दूसरे लोगों को समझना, जिनके साथ हम रहते हैं, आज अस्तित्व का प्रश्न बन गया है।

1. What do you understand by the meaning of anthropology ?

नृविज्ञान का अर्थ से आप क्या समझते हैं?

2. Can anthropology be studied without getting into peripheral insights of the allied disciplines ?

क्या बिना दूसरी संबद्ध विद्याशाखाओं की परिधीय अन्तर्दृष्टि के नृविज्ञान का अध्ययन किया जा सकता है?

3. Do you think anthropology is an integrated discipline ? Explain.

क्या आप सोचते हैं कि नृविज्ञान समाकलित विद्याशाखा है? व्याख्या कीजिए।

4. Do you think anthropology explains human diversity ?

क्या आप सोचते हैं कि नृविज्ञान मानवविविधता को स्पष्ट करता है?

5. How behaviour of early man is reconstructed ?

आदि मानव के व्यवहार का कैसे पुनर्निर्माण कर सकते हैं?

7. Give the characteristics of Proconsul.

प्रोकॉन्सुल की विशेषतायें बताइए।

8. Differentiate between Inbreeding and Consanguinity.

अंतःप्रजनकता एवं समरक्तता में भेद कीजिए।

9. What is Malnutrition ?

कुपोषण क्या है?

10. What do you mean by HLA system ?

एच.एल.ए. प्रणाली से आप क्या समझते हैं?

11. What is villafranchian fauna ?

विलाफ्रांसियन फॉना क्या है?

12. Give the salient features of prepared core technique.

तैयार कोर तकनीक के प्रमुख अभिलक्षण बताइए।

13. Define Ethno-archaeology.

प्रजाति नृविज्ञान की परिभाषा कीजिए।

14. What is thermoluminescence dating ?

थर्मोल्यूमिनिसेन्स डेटिंग क्या है?

15. State briefly the features of chalcolithic culture.

चालकोलिथिक संस्कृति के अभिलक्षणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

16. What is meant by diffusion of culture ? Cite examples.

संस्कृतियों के डिफ्यूजन का क्या अर्थ है? उदाहरण देकर समझाइए।

19. What was the contribution of Leslie White in cultural evolution ?

सांस्कृतिक विकास में लेस्ली व्हाइट का योगदान क्या है?

20. What is meant by Clan ? Discuss its implication.

कुल (क्लान) का क्या अर्थ है? उसके निहितार्थ की चर्चा कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.
(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में, प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।
(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

(Physical Anthropology)

(भौतिक मानव विज्ञान)

21. Describe the Primate Behaviour.

नरवानर (प्राइमेट) के व्यवहार का वर्णन कीजिए।

22. Explain the Genetic Polymorphism with suitable examples.

जैनेटिक पॉलिमॉर्फिज्म को उपयुक्त उदाहरणों से समझाइए।

23. What do you mean by Chromosomal Aberrations ?

क्रोमोजोम के विपथन का क्या अर्थ है?

24. Give the methods of studying Body Composition.

शरीर रचना के अध्ययन की विधियाँ बताइए।

25. Give the distribution of ABO Blood Groups among Indian Populations.

भारतीय जनसंख्या में ए.बी.ओ. ब्लड ग्रुप का वितरण बताइए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

(Prehistoric Archaeology)

(प्रागैतिहासिक पुरातत्व विज्ञान)

21. Write briefly on aim and scope of Prehistoric Archaeology.

प्रागैतिहासिक नृविज्ञान के उद्देश्य और क्षेत्र के बारे में संक्षेप में लिखिए।

22. Give a description of the stone tool making technology of the Lower Palaeolithic Culture.

लोअर पैलियोलीथिक संस्कृति की प्रस्तर औजार निर्माण की टेक्नोलॉजी का विवरण दीजिए।

23. State about the Chopper-Chopping tool tradition of India.

भारत में चॉपर- चॉपिंग औजार निर्माण की परंपरा के बारे में बताइए।

24. State briefly about the Mesolithic Cultures of Europe.

यूरोप की मेसोलीथिक संस्कृतियों के बारे में संक्षेप में बताइए।

25. Write briefly about the Megalithics of South India.

दक्षिण भारत की मेगालीथिक्स के बारे में संक्षेप में लिखिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

(Social-Cultural Anthropology)
(सामाजिक-सांस्कृतिक मानव विज्ञान)

21. Discuss the social and economic problems of Indian tribes.
भारतीय जनजातियों की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं की चर्चा कीजिए.
22. Discuss the rise of Tribal Development in India.
भारत में जनजातीय विकास के उत्थान की चर्चा कीजिए।
23. What do you understand by the policies of Isolation, Assimilation and Integration ?
एकांतिकता, आत्मसात्करण और समाकलन की नीतियों से आप क्या समझते हैं?
24. Explain comparative methods in social-cultural Anthropology.
सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान में तुलनात्मक विधियों के बारे में समझाइए।
25. Discuss the typology of Family.
परिवार के प्ररूपविज्ञान पर चर्चा कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the role of Biological Anthropology in the present day context.

वर्तमान संदर्भ में जीव वैज्ञानिक नृविज्ञान की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Discuss with examples why Neolithic was not a revolution.

नियोलिथिक क्रांति नहीं थी, उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the role and contribution of social-cultural Anthropology in the context of Tribal Development with special reference to Indian Tribes.

आज के युग में जनजाति के विकास के संदर्भ में सामाजिक सांस्कृतिक नृविज्ञान का क्या योगदान है - चर्चा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date